निदेशक का संदेश

महात्मा गांधी ने स्वच्छ व स्वस्थ भारत की कल्पना की थी और इसकी नींव आज़ादी से पूर्व ही रख दी थी। उसी नींव पर 2014 में गांधी जयंती के दिन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने स्वच्छता अभियान का आगाज़ किया और सभी देशवासियों से इस अभियान में भागीदारी देने का अनुरोध किया।

इसमें कोई दो राय नहीं कि स्वच्छता से ही स्वास्थ्य है और स्वस्थ जनता ही स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण करती है। महात्मा गांधी जी ने कहा है कि "जो परिवर्तन आप दुनिया में देखना चाहते हैं वह सबसे पहले अपने आप में लागू करें।" महात्मा गांधी जी की ये बात स्वच्छता पर भी लागू होती है। अगर हम समाज में बदलाव देखना चाहते हैं तो सर्वप्रथम हमें स्वयं में बदलाव लाना होगा। साफ-सफाई से हमारा तन-मन दोनों स्वस्थ और सुरक्षित रहते हैं। यह हमें किसी और के लिए नहीं, वरन् खुद के लिए करना है। यह जागरूकता जन-जन तक पहुँचानी होगी। हमें इसके लिए ज़मीनी स्तर से लगकर काम करना होगा।

अरुण जेटली राष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन संस्थान के सभी सदस्यों ने 02 अक्तूबर 2014 को स्वच्छता कि शपथ लेते हुए संस्थान व संस्थान के आस-पास के क्षेत्र में स्वच्छता के प्रति सजग रहने और समय देने का संकल्प लिया।

मुझे यह कहते हुए गर्व महसूस हो रहा है कि अरुण जेटली राष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन संस्थान का हरा-भरा प्रांगण, पुष्पन्वित बाग-बागीचे व प्रवासी पक्षी, स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रतीक हैं। यहाँ सभी संकाय सदस्य, अधिकारीगण, कर्मचारीगण व इस संस्थान में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने वाले प्रतिभागी स्वच्छता के प्रति जागरूक हैं।

संस्थान में एकल-उपयोग प्लास्टिक पर पूर्णतया प्रतिबंध है। मैं संस्थान के सभी कर्मचारियों से अनुरोध करता हूँ कि वातावरण को स्वच्छ, प्रदूषण मुक्त व प्राकृतिक बनाए रखने में निरंतर अपना सहयोग देते रहें।

प्रभात रंजन आचार्य
निदेशक,
अरुण जेटली राष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन संस्थान